

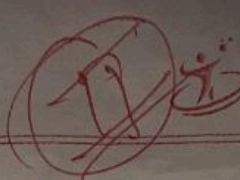
स्वच्छता पर निबंध

स्वच्छता हर एक की पहली और प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सभी को ये समझना चाहिए कि खाने और पानी की तरह ही स्वच्छता भी बेहद आवश्यक है। बल्कि, हम स्वच्छता को खाने और पानी से ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए। हम केवल तभी स्वस्थ रह सकते हैं जब हम सब कुछ बहुत सफाई और स्वास्थ्यकर तरीके से ले। बचपन सभी के जीवन का सबसे अच्छा समय होता है जिसके दौरान स्वच्छता की आयत में कुशल हो सकते हैं जैसे चलना, बालना, दोड़ना, पढ़ना, खाना आदि अभिभावक के नियमित निगरानी और सतर्कता के साथ ही।

स्कूल और कॉलेजों में स्वच्छता के विभिन्न प्रकारों के विषय पर विद्यार्थियों को बहुत सारे होमवर्क दिये जाते हैं। आज के दिनों में ये बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, क्योंकि एक बहुत बड़ी जनसंख्या स्वच्छता के अभाव में बीमारी की वजह से रोज मर रही है। इसलिए, हमें जीवन में स्वच्छता के महत्व और जरूरत के बारे में जागरूक होना बेहद आवश्यक है। हजारों जीवन का बचाने और उन्हें स्वस्थ जीवन देने के लिये हम सभी को मिलकर स्वच्छता को और कदम बढ़ाने की जरूरत है। हमारे प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी ने एक अभियान चलाया जिसे "स्वच्छ भारत" कहा गया।

स्वच्छता परंपरा

- स्वच्छता एक अच्छी आदत है, जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिये अपनाना चाहिये।
- ये हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक रूप से स्वस्थ रखता है।
- हमें साबुन से नहाना, नारंगों की काटना, साफ और इस्त्री किये हुए कपड़े आदि कार्य रोज करना चाहिये।
- घर की कैसे स्वच्छ और शब्द बनाने से हमें अपने माता-पिता से सीखना चाहिये।
- हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिये ताकि किसी प्रकार की बीमारी न फैले।
- कुछ खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिये।
- सूखे और गीले कूड़े को हमें अलग-अलग ढेर और नीले कूड़ेदान में डालना चाहिये।



निबंध

स्वच्छता भारत अभियान

हम सभी जानते हैं कि स्वतंत्रता का महत्व केवल हमारे घरे और निजी अधिकार तक ही सीमित है, बल्कि यह किसी भी देश और समाज का सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता में से एक है। स्वच्छता की इसी भूमिका को देखते हुए स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत दिनांक 2 अक्टूबर 2014 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती यानी 2 अक्टूबर 2019 तक कच्छाजली के तौर पर पूरे भारत को गृहों से मुक्त बनाना था। संस्थागत से मुले में शौच का बंधन, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक वातवरण उपलब्ध था। आज्ञाओं के बावजूद विभिन्न संस्थाओं द्वारा स्वतंत्रता को लेकर योजनाएँ चलाई गयीं। प्रत्येक सरकार ने यथा संभव प्रयास किया है - स्वतंत्रता के प्रति - नागरिकों में जागरूकता लाने के लिए और नाम नागरिकों को लक्ष्य बनने के लिए। इस प्रयत्न में एक प्रमुख प्रयास 2 अप्रैल 1999 को व्यापक ग्रामीण स्वतंत्रता कार्यक्रम का पूर्णिकरण एवं पूर्ण स्वतंत्रता अभियान की शुरुआत हुई। 2012 में निर्मल भारत अभियान के रूप में सरकार द्वारा फिर से पूर्ण स्वच्छता अभियान चलाया गया। निर्मल भारत अभियान में पूर्ण स्वच्छता की स्थिति प्राप्त करने वाले गाँवों को पुरस्कार मिला और उन्हें निर्मल ग्राम की भी दी गई। 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा पूर्णतया निर्मल भारत अभियान को व्यापक रूप से स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के रूप में लाया गया।

स्वच्छता पर निबंध

प्रस्तावना - स्वच्छता हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है। हमारे जीवन में "स्वच्छता" सिर्फ एक शब्द नहीं होना चाहिए बल्कि स्वच्छता एक आपत होनी चाहिए। जीवन में स्वच्छता की एक अच्छी आपत अपने हाथ के साथ-साथ समाज को भी स्वच्छता रखने में मदद करती है। स्वच्छता सभी लोगों का काम होता है। स्वच्छता कोई काम नहीं है जो पैसे कमाने के लिए किया जाए बल्कि ये एक अच्छी आपत है जिसे हमें अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ जीवन के लिए अपनाना चाहिए। स्वच्छता पुण्य का काम है। हमारे जीवन में आफ-अफाई बहुत ही जरूरी है। विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने का यह बिल्कुल सरल उपाय है। हमें अपने आस-पास हमेशा स्वच्छता रखना चाहिए। हमें अपने शरीर की आफ-अफाई का विशेष ध्यान देना चाहिए। स्वच्छता का अर्थ है स्वच्छता रहना अशांत आफ रहना। स्वच्छता एक अच्छी आपत है जो हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाती है। यह हमें और हमारे वातावरण को स्वच्छता बनाती है। स्वच्छता हमारे आस-पास रखना चाहिए और स्वच्छता बनाए रखना चाहिए। हमारे आस-पास प्लास्टिक की ती उसे कूड़ेदान में फेंके। स्वच्छता का ध्यान रखना है। हमें मन में रखा एक ही अपना स्वच्छता बनाना है।